नामांक Roll No.

No. of Questions – **30**

S-08-Social Science

No. of Printed Pages – **6 + Map = 8**

माध्यमिक परीक्षा, 2018

SECONDARY EXAMINATION, 2018

सामाजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

GENERAL INSTRUCTIONS TO THE EXAMINEES :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

Candidates must write first his / her Roll No. on the question paper compulsorily.

(2) सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

All the questions are compulsory.

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

Write the answer to each question in the given answer-book only.

Send Your District Name to 9460377092 by whatsapp to get Daily Solved Model Paper for Board Exam

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

For questions having more than one part, the answers to those parts are to be written together in continuity.

(5) प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपांतर में किसी प्रकार की त्रुटि/अंतर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।

If there is any error / difference / contradiction in Hindi & English versions of the question paper, the question of Hindi version should be treated valid.

(6)

प्रश्न संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	उत्तर की शब्द सीमा
1 – 10	1	20 शब्द
11 – 19	2	40 शब्द
20 – 26	4	100 शब्द
27, 29	6	150 शब्द
28	7	150 शब्द

Q. No.	**Marks per Question**	**Word limit of Answer**
1 – 10	1	20 words
11 – 19	2	40 words
20 – 26	4	100 words
27, 29	6	150 words
28	7	150 words

(7) प्रश्न संख्या **30** मानचित्र कार्य से संबंधित है और **5** अंक का है।

Question No. **30** is related to map-work carrying **5** marks.

(8) प्रश्न संख्या **24** व **27** से **29** तक में आंतरिक विकल्प हैं।

There are internal choices in Question Nos. **24** and **27** to **29**.

1. अशोक का रुम्मनदेई अभिलेख हमारे लिए क्यों महत्त्वपूर्ण है ?

   Why Rummandei Inscription of Ashoka is important for us ? **1**

2. जयपुर का जंतर-मंतर क्या है ?

   What is the Jantar Mantar of Jaipur ? **1**

3. आधुनिक युग में प्रतिनिधि लोकतंत्र के दो रूप बताइए।

   Name the two forms of the representative democracy in present-era. **1**

4. इंटरनेट के कोई दो लाभ लिखिए।

   Write any two benefits of Internet. **1**

5. राष्ट्रीय आय को परिभाषित कीजिए।

   Define the National Income. **1**

6. भारत में वित्तीय वर्ष की अवधि बताइए।

   Mention the period of financial year in India. **1**

7. प्राथमिक क्षेत्र में कौन सी गतिविधियाँ सम्मिलित की जाती हैं ?

   Which activities are included in primary sector ? **1**

8. सामान्य कीमत स्तर से क्या तात्पर्य है ?

   What is the meaning of General Price Level ? **1**

9. बेरोजगारी किसे कहते हैं ?

   What is unemployment ? **1**

10. भारत में गरीबी मापन का प्रथम प्रयास कब किया गया था ?

    When was the first effort to measure poverty in India was made ? **1**

Send Your District Name to 9460377092 by whatsapp to get Daily Solved Model Paper for Board Exam

11. एक जागरूक नागरिक के रूप में आप उच्च न्यायालय के लिये कौन–कौन सी स्वतंत्रताओं की अपेक्षा करते हैं ? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिये ।

As a conscious citizen, what independences would you expect for the High Court ? Describe any two. **1 + 1 = 2**

12. टांका क्या है ? उस योजना का नाम लिखिए जिसके अन्तर्गत टांकों का निर्माण किया गया ।

What is 'TANKA' ? What is the name of scheme under which Tanka construction were done ? **1½ + ½ = 2**

13. व्यावसायिक फसलें क्या हैं ? व्यावसायिक फसलों के कोई चार उदाहरण दें ।

What are Commercial Crops ? Write any four examples. **1 + ¼ × 4 = 2**

14. धात्विक खनिज कितने प्रकार के होते हैं ? उदाहरण सहित बताइये ।

How many types of metallic minerals are there ? Explain with example. **½ + 1½ = 2**

15. भारत में औद्योगिक प्रदूषण से होने वाले कोई दो प्रभाव बताइये ।

Write any two impacts of industrial pollution in India. **1 + 1 = 2**

16. जन्म दर व मृत्यु दर से आप क्या समझते हैं ?

What do you understand by birth rate and death rate ? **1 + 1 = 2**

17. भारत में पाइप लाइन परिवहन की व्याख्या कीजिए ।

Explain the pipeline transport in India. **2**

18. सड़क पर पैदल चलते समय आप किन–किन बातों को ध्यान में रखेंगे ?

What are the things you will keep in mind while walking on the road ? **1 + 1 = 2**

19. ठोस कचरा प्रबन्धन कार्यक्रम से आप क्या समझते हैं ?

What do you understand by solid waste management programme ? **2**

Send Your District Name to 9460377092 by whatsapp to get Daily Solved Model Paper for Board Exam

20. अगर हमीर देव चौहान के स्थान पर आप होते, तो अलाऊद्दीन खिलजी के बागियों के प्रति क्या नीति अपनाते और क्यों ?

If you would have been in the place of Hamir Dev Chauhan, what policy you might have adopted for the rebels of Alauddin Khilji and why ? **2 + 2 = 4**

21. मौर्यकालीन केन्द्रीय प्रशासन का मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate the central administration of the Mauryan period. **4**

22. इटली के एकीकरण में मैजिनी के योगदान का उल्लेख कीजिए ।

Mention the role of Mazzini in the unification of Italy. **4**

23. आपके मतानुसार 'सामाजिक लोकतंत्र' के लिये कौन सी दशाएँ आवश्यक हैं ? स्पष्ट कीजिये ।

According to your view what conditions are essential for 'social democracy' ? Explain. **4**

24. "भारतीय अर्थव्यवस्था एक विकासशील अर्थव्यवस्था है ।" इस कथन के पक्ष में कोई चार तर्क समझाइए ।

"Indian economy is a developing economy." Explain any four arguments in favour of this statement. **1 × 4 = 4**

अथवा/OR

वैश्वीकरण से होने वाले किन्हीं चार लाभों को समझाइए ।

Explain any four advantages of globalisation.

25. मुद्रा किसे कहते हैं ? मुद्रा के किन्हीं तीन कार्यों को स्पष्ट कीजिये ।

What is Money ? Clarify any three functions of Money. **1 + 3 = 4**

26. एक जागरूक नागरिक के रूप में, उपभोक्ता शोषण के कोई चार कारण सुझाइए ।

As a conscious citizen, write any four causes of consumer exploitation. **1 × 4 = 4**

27. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में श्यामजी कृष्ण वर्मा और विनायक दामोदर सावरकर के योगदान का मूल्यांकन कीजिए ।

Evaluate the contribution of Shyamji Krishna Varma and Vinayak Damodar Savarkar in the Indian National Movement. **3 + 3 = 6**

अथवा/OR

Send Your District Name to 9460377092 by whatsapp to get Daily Solved Model Paper for Board Exam

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **2 + 2 + 2 = 6**

(i) संथाल विद्रोह

(ii) जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड

(iii) साइमन कमीशन

Write short notes on the following :

(i) Santhal Uprising

(ii) Jallianwala Bagh Massacre

(iii) Simon Commission

28. संसद के कार्य एवं शक्तियों का वर्णन कीजिये ।

Describe the functions and powers of the Parliament. **7**

अथवा/OR

राष्ट्रपति की कार्यपालिका एवं विधायी शक्तियों का वर्णन कीजिये ।

Describe the executive and legislative powers of the President.

29. राज्य विधान परिषद् की शक्तियों की विवेचना कीजिये ।

Explain the powers of the State Legislative Council. **6**

अथवा/OR

उच्च न्यायालय के कार्यक्षेत्र एवं शक्तियों की विवेचना कीजिये ।

Explain the jurisdiction and powers of the High Court.

30. दिये गए भारत के मानचित्र में निम्नलिखित को अंकित कीजिए :

(अ) खेतड़ी

(ब) दिल्ली

(स) जमशेदपुर

(द) पारादीप

(य) हीराकुड परियोजना

Mark the following in the given outline Map of India : **1 × 5 = 5**

(a) Khetari

(b) Delhi

(c) Jamshedpur

(d) Paradeep

(e) Hirakud Project

Send Your District Name to 9460377092 by whatsapp to get Daily Solved Model Paper for Board Exam

नामांक Roll No.

S-08-Social Science

माध्यमिक परीक्षा, 2018

SECONDARY EXAMINATION, 2018

सामाजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

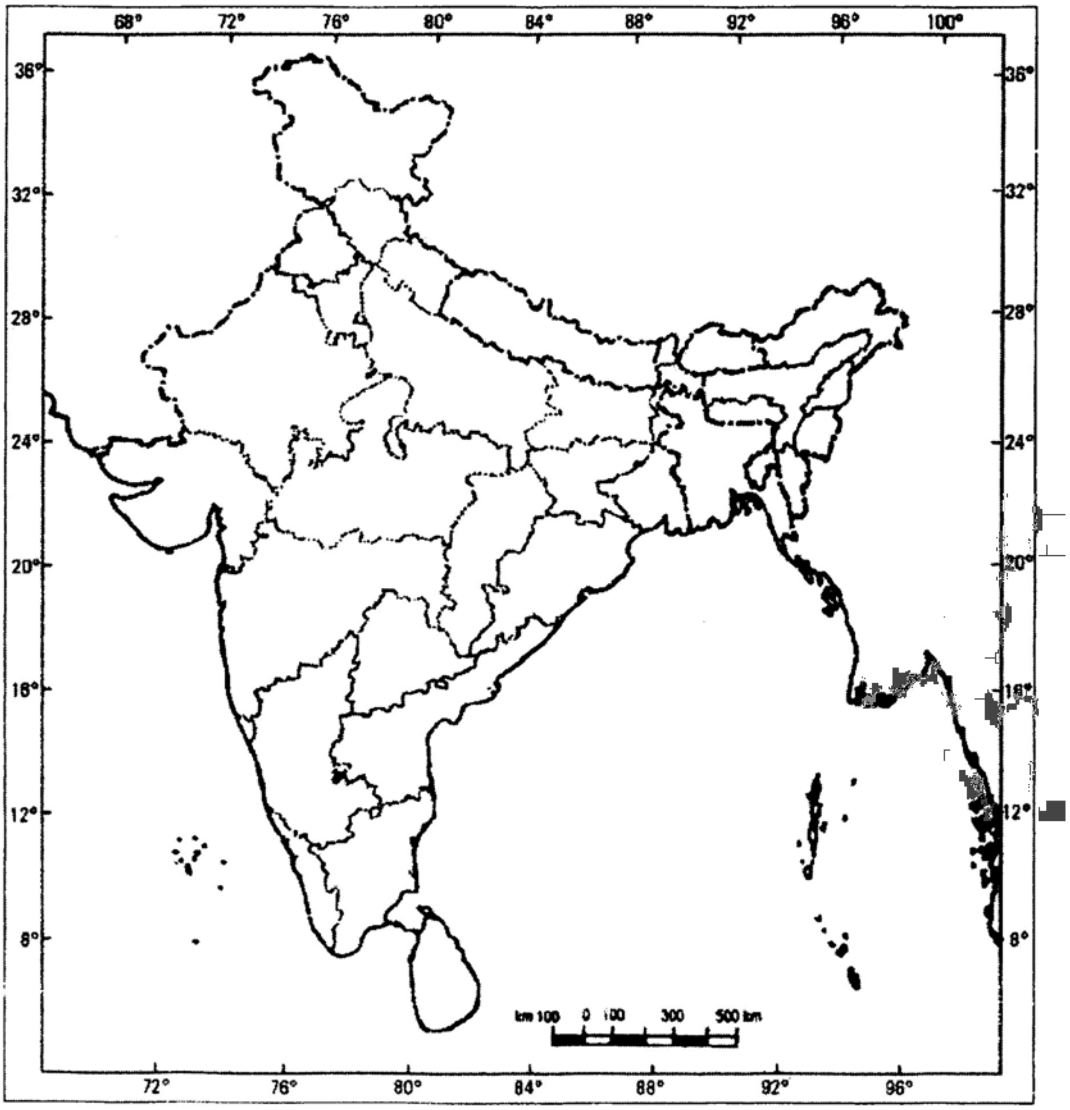

यहाँ से काटें Cut Here

S-08-Social Science

राजस्थान बोर्ड परीक्षा प्रश्न-पत्र (हल सहित)
माध्यमिक परीक्षा, 2018
सामाजिक विज्ञान

(समय: $3\frac{1}{4}$ घण्टे) (पूर्णांक : 80)

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश-

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5.

प्रश्न संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	उत्तर की शब्द सीमा
1-10	1	20 शब्द
11-19	2	40 शब्द
20-26	4	100 शब्द
27,29	6	150 शब्द
28	7	150 शब्द

6. प्रश्न संख्या 30 मानचित्र कार्य से संबंधित है और 5 अंक का है।
7. प्रश्न संख्या 24 व 27 से 29 तक में आन्तरिक विकल्प हैं।

www.rbse.online

---

1. अशोक का रुम्मनदेई अभिलेख हमारे लिए क्यों महत्वपूर्ण है? (1)

उत्तर :
अशोक के रुम्मनदेई अभिलेख से हमें यह ज्ञात होता है कि अशोक ने भूमि कर की दर घटाकर 1/6 से 1/8 कर दी थी।

2. जयपुर का जंतर-मंतर क्या है? (1)

उत्तर :
जयपुर का जन्तर-मन्तर सवाई जयसिंह द्वारा निर्मित की गई पाँच वेधशालाओं में सबसे बड़ी वेधशाला है।

3. आधुनिक युग में प्रतिनिधि लोकतंत्र के दो रूप बताइए। **(1)**

उत्तर :
आधुनिक विश्व में प्रतिनिधि लोकतंत्र के दो रूप है-
(1) संसदात्मक शासन
(2) अध्यक्षात्मक शासन।

4. इंटरनेट के कोई दो लाभ लिखिए। **(1)**

उत्तर :
इंटरनेट के दो लाभ निम्न हैं-
1. इण्टरनेट से ई. मेल द्वारा कोई सन्देश क्षण भर में दुनिया के किसी भी कोने में भेजा जा सकता है।
2. इसकी मदद से वीडियों कांन्फ्रेंसिंग की जा सकती है।

5. राष्ट्रीय आय को परिभाषित कीजिए। **(1)**

उत्तर :
देश के अंतर्गत पूरे वर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के बाजार मूल्य के योग को राष्ट्रीय उत्पाद अथवा आय कहते हैं।

6. भारत में वित्तीय वर्ष की अवधि बताइए। **(1)**

उत्तर : 1 अप्रेल से 31

7. प्राथमिक क्षेत्र में कौनसी गतिविधियाँ सम्मिलित की जाती है? **(1)**

उत्तर :
प्राथमिक क्षेत्र में निम्नलिखित गतिविधियाँ सम्मिलित हैं- (1) कृषि, (2) डेयरी, (3) खनन तथा (4) कपास उत्पादन।

8. सामान्य कीमत स्तर से क्या तात्पर्य है? **(1)**

उत्तर :
विभिन्न वस्तुओं या एक वस्तु समूह की कीमतों के औसत स्तर को सामान्य कीमत कहते हैं।

9. बेरोजगारी किसे कहते है? **(1)**

उत्तर :
वह स्थिति जिसमें कोई व्यक्ति काम करना चाहता है तथा उसमें काम करने की क्षमता भी है किंतु फिर भी उसे काम नहीं मिलता है तो उसे बेरोजगारी कहते हैं।

सभी विद्यार्थियों से निवेदन है कि RBSE के सॉल्वड मॉडल पेपर/डेस्क वर्क प्राप्त करने के लिए 9460377092 को अपनी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में एड करें। आपकी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में भेज दिए जाएंगे।

10. भारत में गरीबी मापन का प्रथम प्रयास कब किया गया था? **(1)**

उत्तर :
1868 में भारत में गरीबी मापन का प्रथम प्रयास किया गया।

11. एक जागरूक नागरिक के रूप में आप उच्च न्यायालय के लिए कौन–कौनसी स्वतंत्रताओं की अपेक्षा करते हैं? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए। $(1+1=2)$

उत्तर :
हम उच्च न्यायालय के लिए जागरूक नागरिक के रूप में निम्नलिखित स्वतंत्रताओं की अपेक्षा करते हैं।
1. निश्चित कार्यकाल।
2. न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए विशेष प्रक्रिया।

www.rbse.online

12. टांका क्या है? उस योजना का नाम लिखिए जिसके अन्तर्गत टांकों का निर्माण किया गया। $(1\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=2)$

उत्तर :
यह पश्चिमी राजस्थान में परम्परागत जल संग्रहण एवं संरक्षण का स्त्रोत है। इसमें प्रत्येक घर या खेत में 5–6 मीटर खड्डा खोदकर राख व बजरी का लेप कर बनाया जाता है जिसे पत्थरों या अन्य साधनों से ढका जाता है। इसमें घरों की छत तथा आगोर से आने वाले वर्षा जल को एकत्रित किया जाता है। राजस्थान में जल स्वावलम्बन योजना तथा अन्य योजनाओं के तहत इन टांकों का अन्तर्गत किया जा रहा है।

13. व्यावसायिक फसलें क्या है? व्यावसायिक फसलों के कोई चार उदाहरण दें। $(1+\frac{1}{4}\times 4=2)$

उत्तर :
व्यावसायिक फसलें – जिन फसलों का प्रयोग व्यावसायिक काम के लिए या उद्योग में कच्चे माल के रूप में किया जाता है, व्यावसायिक या औद्योगिक फसलें कहलाती हैं।
उदाहरण– (1) गन्ना, (2) कपास, (3) जूट, (4) तम्बाकू ।

14. धात्विक खनिज कितने प्रकार के होते है? उदाहरण सहित बताइये। $(\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=2)$

उत्तर :
धात्विक खनिजों को दो वर्गों में विभाजित किया गया है–
1. **लौह धातु प्रधान** – जिन खनिजों में लौह धातु का अंश पाया जाता हो, जैसे–लौह अयस्क, क्रोमाइट, पाइराइट, टिन, टंगस्टन, कोबाल्ट आदि।
2. **अलौह धातु प्रधान** – जिन खनिजों में लोहे का अंश नहीं पाया जाता हो, जैसे–सोना, चाँदी, ताँबा, जस्ता, बॉक्साइट, टिन, मैग्नीशियम आदि।

15. भारत में औद्योगिक प्रदूषण से होने वाले कोई दो प्रभाव बताइये। $(1+1=2)$

उत्तर :
भारत में औद्योगिक प्रदूषण के निम्न दुष्प्रभाव हुए है–
1. खतरनाक रसायनों के मिलने से देश की प्रमुख नदियों का जल अत्यधिक दूषित हो गया है।
2. मानव व जीव–जन्तुओं में कैंसर, रक्त एवं चर्म सम्बन्धी आदि बीमारियों में तेजी से वृद्धि हुई है।

16. जन्म दर व मृत्यु दर से आप क्या समझते हैं? $(1+1=2)$

उत्तर :
1. **जन्म दर–** जन्म दर को प्रति हजार स्त्रियों द्वारा जन्म दिए जीवित बच्चों के रूप में व्यक्त किया जाता है।
2. **मृत्यु दर–** मृत्यु दर को किसी क्षेत्र विशेष में किसी वर्ष के दौरान प्रति हजार जनसंख्या के पीछे मृतकों की संख्या के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है।

17. भारत में पाइप लाइन परिवहन की व्याख्या कीजिए। **(2)**

उत्तर :
भारत में पाइप लाइन परिवहन के साधन का विकास तेजी से हो रहा है। पहले देश में पाइप लाइनों का उपयोग शहरों व उद्योगों में पानी पहुँचाने के लिए करते थे। लेकिन अब पाइप लाइन परिवहन का उपयोग कच्चा तेल, पेट्रोल उत्पाद तथा तेल से प्राप्त प्राकृतिक गैस शोधन शालाओं, उर्वरक कारखानों तथा बड़े विद्युत गृहों तक पहुंचाने के लिए किया जाता है। इसमें ठोस व गलनीय पदार्थों को तरल अवस्था में परिवर्तित कर पाइपों के माध्यम से भेजा जाता है।

www.rbse.online

18. सड़क पर पैदल चलते समय आप किन–किन बातों को ध्यान में रखेंगे? $(1+1=2)$

उत्तर :
सड़क पर पैदल चलते समय हम निम्न बातों का ध्यान में रखेंगे–
1. हमें पैदल चलते समय सड़क के बांयी ओर चलना चाहिए।
2. सड़क पार करने से पहले बाएं–दाएं देखे कि कोई वाहन तो नहीं जा रहा, फिर पार करें।
3. अधिक व्यस्त सड़कों और रोड़ पर चलते समय अधिक सावधानी रखें।
4. सड़क पार करते समय जेबरा क्रॉसिंग का प्रयोग करें।

19. ठोस कचरा प्रबन्धन कार्यक्रम से आप क्या समझते है? **(2)**

उत्तर :
ठोस कचरा प्रबन्धन कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य शहरों से कचरे व गंदगी को दूर करना है। इसके अंतर्गत स्थानीय निकायों ठोस कचरे के प्रबन्धन का प्रशिक्षण सुझाव तथा संसाधन उपलब्ध करवाना तथा ठोस कचरा प्रबन्धन पर नए–नए शोध कार्य, विकास कार्य व उपभोक्ताओं को सुविधाएं प्रदान करवाना है।

20. अगर हम्मीर देव चौहान के स्थान पर आप होते, तो अलाउद्दीन खिलजी के बागियों के प्रति क्या नीति अपनाते और क्यों? $(2+2=4)$

उत्तर :
अलाउद्दीन के बागियों–मंगोल सेनापति मोहम्मद शाह व केहबू जिन्होंने अलाउद्दीन की सेना से बगावत करके हम्मीर के पास शरण ली थी।

सभी गुरूजनों से निवेदन है कि RBSE के सॉल्वड मॉडल पेपर प्राप्त करने के लिए 9460377092 पर सिर्फ TEACHER शब्द SMS (व्हाट्सएप्प ना करें) आपसे संपर्क कर आपको विशेष रूप से मॉडल पेपर भेजे जाएेंगे।

हम्मीर ने अपने शरण में आए हुए व्यक्तियों को देने से साफ इन्कार कर दिया था। यदि हम्मीर के स्थान पर हम होते तो भी यही नीति अपनाते क्योंकि शरणागत की रक्षा करना भारतीय संस्कृति की अपनी विशेषता है।

21. मौर्यकालीन केन्द्रीय प्रशासन का मूल्यांकन कीजिए। **(4)**

उत्तर :
मौर्यकाल में भारत में सर्वप्रथम केन्द्रीकृत शासन व्यवस्था की स्थापना हुई। राजा सत्ता का केंद्र था। वह निरंकुश नहीं था। उस पर मंत्रिपरिषद् का अंकुश था। केन्द्रीय शासन 18 विभागों (तीर्थों) में विभक्त था। इनमें महत्वपूर्ण तीर्थ थे– मंत्री, पुरोहित, सेनापति और युवराज। राजा द्वारा मुख्यमंत्री व पुरोहित की नियुक्ति उपधा परीक्षण के बाद की जाती थी। ये लोग मंत्रिमंडल के अंतरंग सदस्य थे। मंत्रिमंडल के अतिरिक्त मंत्रिपरिषद भी थी। इस प्रकार केन्द्रीय प्रशासन पूर्णतः व्यवस्थित था।

22. इटली के एकीकरण में मैजिनी के योगदान का उल्लेख कीजिए। **(4)**

उत्तर :
मैजिनी इटली के राष्ट्रीय आन्दोलन का मसीहा था। 1831 ई. में मैजिनी ने फ्रांस में युवा इटली नाम से एक संस्था की स्थापना की। मैजिनी ने कहा था कि यदि समाज में क्रान्ति लानी है, तो नेतृत्व नवयुवकों के हाथों में देना होगा। युवकों के हृदयों में अत्यधिक शक्ति छिपी होती है। मैजिनी ने युवा इटली के माध्यम से इटली निवासियों को तीन नारे दिये –

1. इटली को मुक्त करो।
2. सब भाइयों को एक साथ मिलाओ,
3. परमात्मा में विश्वास रखो

युवा इटली संस्था के उद्देश्य निम्न थे–

1. स्वतन्त्रता, समानता तथा जनकल्याण पर आधारित राज्य की स्थापना हो। वास्तव में मैजिनी ने इटली के एकीकरण की आधारशिला रखी और उसने इटली के लोगों में देश–प्रेम, त्याग और बलिदान की भावना कूट–कूट भरी। वह क्रान्ति का अग्रदूत था।
2. इटली की एकता तथा स्वतन्त्रता की प्राप्ति।

23. आपके मतानुसार सामाजिक लोकतंत्र के लिए कौनसी दशाएँ आवश्यक हैं? स्पष्ट कीजिए। **(4)**

उत्तर :
सामाजिक लोकतंत्र के लिए आवश्यक दशाएं निम्नलिखित हैं–

1. **विशेषाधिकारों का अन्त –** सामाजिक लोकतंत्र की अवधारणा प्रमुख रूप से सामाजिक समानता के अधिकार पर देती है। इसका यह अर्थ है कि सभी व्यक्तियों को समाज में बराबर महत्व प्राप्त होना चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि धर्म, जात–पात, नस्ल, भाषा, लिंग धन आदि के आधार पर समाज में शामिल विशेषाधिकारों की व्यवस्था को समाप्त किया जाए।
2. **समान अवसर –** सामाजिक लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि सभी व्यक्तियों को सामाजिक प्रगति के समान अवसर प्राप्त हों।

24. भारतीय अर्थव्यवस्था एक विकासशील अर्थव्यवस्था है। इस कथन के पक्ष में कोई चार तर्क समझाइए। $(1 \times 4 = 4)$

उत्तर :
भारतीय अर्थव्यवस्था एक विकासशील अर्थव्यवस्था है–

1. 1980 के बाद भारतीय राष्ट्रीय आय एवं प्रति व्यक्ति आय में निरन्तर रूप से वृद्धि हो रही है। 1991–2011 के बीच अर्थव्यवस्था की औसत विकास दर 6.8 प्रतिशत रही जो वृद्धि का उदाहरण है।
2. भारत की राष्ट्रीय आय में प्राथमिक क्षेत्र के योगदान में निरन्तर कमी हो रही है तथा तृतीयक क्षेत्र के योगदान में निरन्तर वृद्धि हो रही है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास का संकेत है।
3. वर्तमान में अकेले सेवा क्षेत्र का भारतीय राष्ट्रीय आय में योगदान लगभग 60 प्रतिशत हो गया है तथा व्यापार में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की विकासशीलता का एक महत्वपूर्ण संकेत हैं।
4. भारत में आर्थिक एवं सामाजिक आधार संरचना में तेजी से सुधार हो रहा है। पिछले वर्षों में देश में विद्युत उत्पादन क्षमता में बढ़ोत्तरी हुई, सड़क परिवहन का विकास हुआ है, बैंकिंग एवं बीमा सेवाओं का व्यापक विस्तार हुआ है, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि हुई।

अथवा

www.rbse.online

24. वैश्वीकरण से होने वाले किन्ही चार लाभों को समझाइए।
वैश्वीकरण के प्रमुख लाभ निम्न प्रकार हैं –

1. विश्व के विभिन्न देशों में आर्थिक प्रवाह तीव्र हुआ है।
2. वस्तुओं, पूँजी और विचारों के प्रवाह में तेजी आई है।
3. आर्थिक प्रतिबंध समाप्त होने से अनेक धनी देश विकासशील देशों में निवेश कर रहे हैं, जिसके अधिक लाभ हो सके।
4. वैश्वीकरण से इंटरनेट और कम्प्यूटर से जुड़ी सेवाओं का विस्तार हुआ है।

25. मुद्रा किसे कहते हैं? मुद्रा के किन्हीं तीन कार्यों को स्पष्ट कीजिए। $(1 + 3 = 4)$

उत्तर :
मुद्रा से आशय– यह वस्तु जिसका प्रयोग सामान्य विनियम माध्यम के रूप में किया जाए, उसे मुद्रा कहते हैं। जैसे– भारतीय मुद्रा, भारतीय राष्ट्रीय रुपया है।
मुद्रा के कार्य (तीन)– मुद्रा द्वारा सम्पन्न किए जाने वाले प्रमुख कार्य निम्न प्रकार हैं –

1. **विनिमय का माध्यम –** मुद्रा का विनिमय माध्यम के रूप में, वस्तुओं और सेवाओं के क्रय–विक्रय के रूप में उपयोग किया जाता है। कोई भी व्यक्ति मुद्रा के बदले वस्तुओं की प्राप्ति कर सकता है अर्थात् व्यक्तियों की आवश्यकताओं की संतुष्टि के लिए उनके पास उपलब्ध मुद्रा का उपयोग किया जाता है। इस प्रकार मुद्रा के द्वारा विनिमय प्रणाली की दोहरी आवश्यकता की समस्या दूर हो जाती है।
2. **मूल्य का मापक –** वस्तुओं तथा सेवाओं के क्रय–विक्रय में सरलता के लिए मूल्य का मापन किया जाता है। जैसे 40 रुपए प्रति किलो, 20 रुपए प्रति दर्जन, 15 रुपए प्रति लीटर आदि।

www.rbse.online

सभी विद्यार्थियों से निवेदन है कि RBSE के सॉल्वड मॉडल पेपर/डेस्क वर्क प्राप्त करने के लिए 9460377092 को अपनी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में एड करें। आपकी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में भेज दिए जाएंगे।

3. **विलम्बित भुगतानों का मानक** – मुद्रा वस्तुओं तथा सेवाओं के स्थगित भुगतान में सहायक है, अर्थात् मुद्रा द्वारा किसी भी वस्तु का क्रय किस्तों पर किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त मुद्रा की सहायता से एक वस्तु का विक्रय करके दो या दो से अधिक व्यक्तियों से अन्य वस्तुओं का क्रय किया जा सकता है। इस प्रकार मुद्रा, स्थगित भुगतान की समस्या दूर कर देती है।

26. एक जागरूक नागरिक के रूप में, उपभोक्ता शोषण के कोई चार कारण सुझाइए। **$(1 \times 4 = 4)$**

उत्तर :

उपभोक्ता शोषण के कारण – उपभोक्ता शोषण के चार प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं–

1. सूचना का अभाव उपभोक्ता शोषण का एक प्रमुख कारण है। एक पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में अनेक उत्पादक एवं विक्रेता वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन तथा विक्रय करते हैं। उपभोक्ताओं को इनकी गुणवत्ता और मूल्य आदि की सही जानकारी नहीं रहती है। इसके कारण वे कई बार गलत चुनाव कर लेते हैं और उन्हें नुकसान होता है।
2. कुछ आवश्यक उपभोक्ता पदार्थों की आपूर्ति सीमित होती है। इसके फलस्वरूप उत्पादक या व्यापारी इनकी जमाखोरी और कालाबाजारी करते हैं। जिससे उपभोक्ताओं का शोषण होता है।
3. सीमित प्रतिस्पर्द्धा उपभोक्ताओं के शोषण का एक अन्य कारण हो सकता है। कुछ ऐसी वस्तुएँ भी होती हैं, जिनके उत्पादन या वितरण पर किसी एक अथवा थोड़े–से उत्पादकों का एकाधिकार रहता है। अतः वे ग्राहकों से अपेक्षाकृत अधिक कीमत वसूल करते हैं।
4. उपभोक्ताओं की अशिक्षा और अज्ञानता भी उनके शोषण का एक प्रमुख कारण है। भारत जैसे विकासशील देशों के उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हैं। अतएव ऐसे देशों में उपभोक्ता शोषण की समस्या अधिक गंभीर है।

27. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में श्यामजी कृष्ण वर्मा और विनायक दामोदर सावरकर के योगदान का मूल्यांकन कीजिए। **$(3 + 3 = 6)$**

उत्तर :

श्यामजी कृष्ण वर्मा का योगदान – श्यामजी कृष्ण वर्मा काठियावाड़ प्रदेश में निवास करते थे। वे अंग्रेज पोलिटिकल रेजिडेन्टों के अंहकारपूर्ण आचरण से दुःखी थे और भारत को विदेशी शासन से आजाद कराना चाहते थे। 1905 में उन्होंने लन्दन में भारत स्वशासन समिति (इण्डिया हाउस) का निर्माण किया। उन्होंने इण्डिया सोशलिज्म नामक एक मासिक पत्रिका प्रकाशित की। इन्होंने विदेश से आने वाले भारतीयों के लिए एक–एक हजार की 6 फैलोशिप भी प्रारम्भ की। शीघ्र ही इण्डिया हाउस लन्दन में रहने वाले भारतीयों के लिए आन्दोलन करने का एक केन्द्र बन गया। ब्रिटिश सरकार की दमनकारी नीति के कारण श्यामजी कृष्ण वर्मा को भारत छोड़कर पेरिस जाना पड़ा और वहाँ से उन्होंने क्रान्तिकारी गतिविधियों को निरन्तर जारी रखा।

विनायक दामोदर सावरकर का योगदान – वीर सावरकर एक महान क्रांतिकारी थे। उन्होंने 1906 ई. में अभिनव भारत का निर्माण किया। उन्होंने द इण्डियन वार ऑफ इन्डिपेन्डेंस नामक पुस्तक लिखी जिसे प्रकाशन से पूर्व ब्रिटिश सरकार ने जब्त कर लिया। सावरकर प्रथम व्यक्ति थे जिन्होंने 1857 के संघर्ष को गदर न कहकर भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम बताया। उन्होंने भारत का विभाजन रोकने के लिए भी बहुत प्रयास किये। ब्रिटिश सरकार ने उन्हें दो जन्मों की आजीवन कारावास की सजा दी। उनका लम्बा समय अण्डमान के सेलुलर के जेल में बीता।

अथवा

www.rbse.online

27. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए ।
1. संथाल विद्रोह
2. जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड
3. साइमन कमीशन। 2+2+2=6

उत्तर :

1. संथाल विद्रोह 1855–56 में प्रारम्भ हो गया। 30 जून, 1855–56 को संथाल परगना में अंग्रेजी शासन के खिलाफ विद्रोह शुरू हुआ। संथालों का विद्रोह वीरभूमि, बांकुरा, सिंहभूमि, हजारी बाग, भागलपुर तथा मुंगेर के इलाकों में फैला हुआ था। संथाल परगनों में यह विद्रोह तीव्र गति से फैला जिसमें निम्न वर्ग के गैर–संथालियों ने संथालों के साथ विद्रोह में बढ़–चढ़कर भाग लिया। लेकिन सरकारी अधिकारियों द्वारा यह विद्रोह दबा दिया गया।
2. रॉलेट कानून के तहत पंजाब के लोकप्रिय नेता डॉ. सतपाल और डॉ सैफुद्दीन किचलू को गिरफ्तार कर लिया गया था। जिससे जनता में बड़ा आक्रोश था। 13 अप्रैल, 1999 को वैशाखी के दिन अमृतसर के जलियाँवाला बाग में एक सभा का आयोजन किया गया था। जिसमें करीब 20 हजार लोग इकट्ठे थे। जनरल डायर ने बिना चेतावनी दिए गोली चलवा दी। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार इस गोलीकांड में 379 लोग मारे गये जबकि 1200 घायल हुए। इस बर्बर घटना की पूरे देश में भर्त्सना हुई। रवींद्रनाथ टैगोर ने अपनी सर की उपाधि वापस कर दी।
3. 1919 ई. के एक्ट के अनुसार दस वर्ष बाद भारत में उत्तरदायी सरकार की प्रगति की जाँच के लिए एक आयोग की नियुक्ति का प्रावधान था। इंग्लैंड की बदलती परिस्थितियों के कारण अनुदार दल की सरकार ने दो वर्ष पहले ही 1927 में नियुक्त किया गया था। इसका मुख्य कारण था आगामी चुनाव में अनुदार दल के जीतने की कोई आशा नहीं थी। अतः अनुदार दल भारत का भविष्य स्वयं ही निर्धारित करना चाहता था। साइमन कमीशन का अध्यक्ष सर जॉन साइमन था। उसके नाम पर ही इस कमीशन का नाम साइमन कमीशन पड़ा। कमीशन को आगामी संवैधानिक सुधारों के लिए भारतीय परिस्थितियों का अध्ययन करने के लिए भेजा गया। 3 फरवरी, 1928 ई. को साइमन कमीशन बंबई पहुँचा। चारों ओर हड़तालों, काले झंडों और साइमन वापस जाओ का नारा गूँजने लगा। प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध सरकार द्वारा लाठी चार्ज किया गया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे भारत के महान सपूत लाला लाजपतराय को इस लाठीचार्ज में बहुत चोट आई जिसके परिणामस्वरूप 17 नवंबर, 1928 को उनकी मृत्यु हुई। भारतीयों के व्यापक विरोध के बावजूद मई, 1930 ई. में साइमन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

www.rbse.online

सभी गुरूजनों से निवेदन है कि RBSE के सॉल्वड मॉडल पेपर प्राप्त करने के लिए 9460377092 पर सिर्फ TEACHER शब्द SMS (व्हाट्सएप्प ना करें) आपसे संपर्क कर आपको विशेष रूप से मॉडल पेपर भेजे जाएंगे।

28. संसद के कार्य एवं शक्तियों का वर्णन कीजिए। **(7)**

उत्तर :

भारतीय संसद के कार्य तथा शक्तियाँ–

भारतीय संसद के कार्य एवं शक्तियों का विवेचन निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत किया गया है –

1. **विधायी शक्तियाँ –** संविधान की सातवीं अनुसूची में उल्लिखित संघ सूची व समवर्ती सूची पर संसद को कानून बनाने की शक्ति प्राप्त है।
2. **संविधान में संशोधन की शक्ति –** संविधान में संशोधन करने की शक्ति भी संसद को प्राप्त है। संसद संविधान के मूल ढाँचे के अलावा किसी भी संशोधन कर सकती है।
3. **वित्तीय शक्तियाँ –** संसद का केन्द्रीय वित्त पर पूर्ण नियंत्रण होता है अर्थात संविधान में कहा गया है कि विधि के अधिकार के बिना न तो कोई कर लगाया जा सकता है और न ही कोई व्यय किया जा सकता है।
4. **प्रशासनिक शक्तियाँ –** भारत में संसदीय शासन प्रणाली अपनाई गई है, जिसमें कि कार्यपालिका का निर्माण व्यवस्थापिका में से होता है तथा कार्यपालिका व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी होती है अर्थात् मंत्रिपरिषद् लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है राज्यसभा के प्रति नहीं।

   इसके अलावा संसद विभिन्न माध्यमों से जैसे कि अविश्वास प्रस्ताव, निन्दा प्रस्ताव, कटौती प्रस्ताव, स्थगन प्रस्ताव आदि के द्वारा कार्यपालिका पर नियंत्रण रखती है।
5. **अन्य शक्तियाँ –** राष्ट्रीय आपातकाल जारी रखने के लिए संसद द्वारा अनुमोदन किया जाना आवश्यक है। साथ ही संसद द्वारा विधि बनाकर नए राज्यों का निर्माण या राज्यों की सीमाओं या नामों में परिवर्तन किया जा सकता है।

अथवा

www.rbse.online

28. राष्ट्रपति की कार्यपालिका एवं विधायी शक्तियों का वर्णन कीजिए। (7)

उत्तर :

राष्ट्रपति की कार्यपालिका एवं विधायी शक्तियाँ

राष्ट्रपति की कार्यपालिका एवं विधायी शक्तियाँ निम्न प्रकार से हैं–

1. **कार्यपालिका अथवा प्रशासनिक सम्बन्धी शक्तियाँ –** संघ के शासन के समस्त कार्य राष्ट्रपति के नाम से होते हैं और सरकार के समस्त निर्णय उसके ही माने जाते हैं। उसे संघीय शासन से संबंधित सभी मामलों में प्रधानमंत्री से सूचना पाने का अधिकार है।

   प्रशासनिक क्षेत्र में राष्ट्रपति इन शक्तियों का उपयोग करता है–

   (क) **प्रमुख अधिकारियों की नियुक्ति –** वह प्रधानमंत्री तथा प्रधानमंत्री की सलाह से अन्य मंत्रियों, राज्यों के राज्यपाल, उच्चतम न्यायालय व उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों, महालेखा परीक्षक, लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्य तथा विदेशों में राजदूत नियुक्त करता है। वह अनेक प्रशासनिक आयोगों की भी नियुक्ति करता है।

   (ख) **शासन संचालन सम्बन्धी शक्ति –** वह संसद के दोनों सदनों की संयुक्त, सर्वोच्च न्यायालय के अधिकारियों व कर्मचारियों की नियुक्ति तथा नियत्रंक व महालेखा परीक्षक की शक्तियों से संबंधित नियमों का निर्माण करता है।

   (ग) **वैदेशिक क्षेत्र में शक्ति –** राष्ट्रपति वैदेशिक क्षेत्र में भारत का प्रतिनिधित्व करता है तथा विदेशों से संधियाँ व समझौते भी राष्ट्रपति के नाम से किये जाते हैं।

   (घ) **सैनिक क्षेत्र में शक्ति –** राष्ट्रपति भारत की समस्त सेनाओं का प्रधान सेनापति है।
2. **विधायी शक्तियाँ –** राष्ट्रपति संसद के अधिवेशन बुलाता है और अधिवेशन समाप्ति की घोषणा करता है। वह संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में भाषण देता है। उसे राज्य सभा के 12 सदस्यों को मनोनीत करने का अधिकार है। साथ ही वह लोकसभा में दो आंग्ल–भारतीय सदस्यों को मनोनीत कर सकता है। संसद द्वारा स्वीकृत प्रत्येक विधेयक राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद ही कानून का रूप ग्रहण करता है। वह किसी विधेयक को पुनर्विचार हेतु संसद को एक बार वापिस कर सकता है लेकिन यदि संसद पुनः उसे पारित कर राष्ट्रपति के पास भेज देती है तो राष्ट्रपति को हस्ताक्षर करने ही होते हैं। राष्ट्रपति को संसद के अधिवेशन की अनुपस्थिति में अध्यादेश जारी करने का अधिकार है।

29. राज्य विधान परिषद् की शक्तियों की विवेचना कीजिए। **(6)**

उत्तर :

राज्य विधान परिषद् की शक्तियाँ

राज्य विधान परिषद् को निम्नलिखित शक्तियाँ प्राप्त हैं–

1. राज्य विधान परिषद् को राज्य तथा समवर्ती सूची के विषयों पर कानून बनाने का अधिकार प्राप्त है, किन्तु विधानमंडल द्वारा समवर्ती सूची के विषय पर बनाया गया कानून संसद द्वारा बनाए कानून से नहीं टकराना चाहिए।
2. मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से विधानसभा के प्रति उत्तरदायी है। विधानपरिषद मंत्रिपरिषद को उत्तरदायी बनाने के लिए विभिन्न अधिकारों का प्रयोग कर सकता है। जैसे– प्रश्न पूछकर, पूरक प्रश्न पूछकर, सूचना माँगकर, स्थगन प्रस्ताव द्वारा, निन्दा प्रस्ताव द्वारा, सरकार की नीतियों की आलोचना करके, मंत्रियों द्वारा किए गए भ्रष्टाचारों का उल्लेख करके, अविश्वास प्रस्ताव द्वारा इत्यादि।
3. संविधान में संशोधन में कई अनुच्छेदों में कम से कम आधे राज्यों के विधानपरिषद की अनुमति आवश्यक है।
4. राष्ट्रपति के निर्वाचन में भी राज्य के विधानपरिषदों की प्रमुख भूमिका है।
5. विधानपरिषद, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभापति तथा उपसभापति और सदन के सदस्यों को पदमुक्त करने की भी शक्ति रखती है।
6. राज्य विधानपरिषद राज्य के लिए वित्त पर पूर्ण नियंत्रण रखता है। राज्य की सरकार द्वारा कोई भी कर इसकी अनुमति के बिना नहीं लगाया जा सकता और न ही कोई व्यय उसकी अनुमति के बिना किया जा सकता है।

अथवा

www.rbse.online

सभी विद्यार्थियों से निवेदन है कि RBSE के सॉल्वड मॉडल पेपर/डेस्क वर्क प्राप्त करने के लिए 9460377092 को अपनी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में एड करें। आपकी क्लास के व्हाट्सएप्प ग्रुप में भेज दिए जाएंगे।

29. उच्च न्यायालय के कार्यक्षेत्र एवं शक्तियों की विवेचना कीजिए। (6)

उत्तर :

उच्च न्यायालय का कार्यक्षेत्र : उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार को निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत स्पष्ट किया गया है–

1. **प्रारंभिक क्षेत्राधिकार –** उच्च न्यायालयों का प्रारंभिक क्षेत्राधिकार अधिक विस्तृत नहीं।
   (क) मौलिक अधिकारों से संबंधित कोई भी मुकदमा सीधा उच्च न्यायालय में ले जाया जा सकता है। उच्च न्यायालयों को मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए पांच प्रकार के लेख जारी करने का अधिकार है।
   (ख) विवाह–विच्छेद (तलाक), वसीयत, न्यायालय की मान–हानि, नव–वैधिक मामलों तथा समप्रमाण मामलों में भी उच्च न्यायालयों को प्रारंभिक क्षेत्राधिकार प्राप्त है।
   (ग) उच्च न्यायालय को विभिन्न प्रकार के लेख जारी करने का अधिकार केवल मौलिक अधिकारों संबंधी मामलों में नहीं बल्कि अन्य सभी कार्यों के लिए है।
   (घ) कोलकाता, चेन्नई और मुंबई उच्च न्यायालयों को अपने नगर के कुछ अन्य दीवानी, फौजदारी तथा राजस्व संबंधी मुकदमों में प्रारंभिक क्षेत्राधिकार प्राप्त हैं।
   (ङ) चुनाव संबंधी याचिकाएं भी उच्च न्यायालयों द्वारा ही सुनी जाती है।
2. **याचिका अधिकारिता –** उच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों के साथ ही अतिरिक्त अधिकारों के लिए बन्दी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, उत्प्रेषण तथा अधिकारपृच्छा याचिकाएँ जारी कर सकता है।
3. **अपीलीय क्षेत्राधिकार –** उच्च न्यायालयों को अपील संबंधी बहुत–से अधिकार प्राप्त हैं।
   (क) उच्च न्यायालय ऐसे दीवानी मुकदमे की अपील सुन सकता है, जिसमें 5,000 रुपए की धन राशि या उसी मूल्य की संपत्ति का प्रश्न निहित हो।
   (ख) उच्च न्यायालय में ऐसे फौजदारी मुकदमे की अपील की जा सकती है, जिसमें सेशन जज ने अभियुक्त को चार वर्ष का दंड दिया हो।
   (ग) किसी अभियुक्त को फौजदारी मुकदमे में मृत्यु–दंड देने का अधिकार सेशन जज को है, परंतु ऐसा दंड उच्च न्यायालय की अनुमति से ही दिया जा सकता है अर्थात् मृत्यु–दंड देने से पहले सेशन जज उच्च न्यायालय की अनुमति अवश्य लेता है।
   (घ) बहुत–से राजस्व संबंधी मामलों में भी उच्च न्यायालयों के विरुद्ध अपील की जा सकती है।
   (ङ) कोई भी मुकदमा जिसमें संविधान की किसी धारा या कानून की व्याख्या का प्रश्न निहित हो, अपील की स्थिति में न्यायालय में ले जाया जा सकता है।

उच्च न्यायालय का शक्तियाँ

भारत के सर्वोच्च (उच्चतम) न्यायालय की शक्तियों एवं कार्यों का वर्णन इस प्रकार है–

1. सर्वोच्च न्यायालय उच्च न्यायालय के निर्णयों के विरुद्ध दीवानी तथा फौजदारी मुकदमों की अपी ल सुन सकता है।
2. यह केंद्रीय कानून की जांच कर सकता है।
3. यह भारत सरकार और राज्य सरकारों में होने वाले झगड़ों का निर्णय करता है।
4. यदि दो या दो से अधिक राज्यों के बीच कोई विवाद उठ खड़ा हो तो उसका निर्णय उच्चतम न्यायालय करता है।
5. यह न्यायालय नागरिक के मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है।
6. इस न्यायालय का निर्णय अंतिम होता है। इसके निर्णय के विरुद्ध कहीं भी अपील नहीं की जा सकती।
7. राष्ट्रपति कानूनी मामलों के संबंध में उच्चतम न्यायालय से परामर्श ले सकता है।
8. उच्चतम न्यायालय संविधान की रक्षा करता है। यदि कोई कार्यवाही संविधान के विरुद्ध हो तो उच्चतम न्यायालय उस कार्यवाही को रद्द कर सकता है।
9. उच्चतम न्यायालय उन अधिकारियों को दंड दे सकता है जो न्यायालय का अपमान करते हों।
10. यदि राष्ट्रपति या उप–राष्ट्रपति के चुनाव के बारे में कोई शंका या झगड़ा उत्पन्न हो जाए तो उसका निर्णय सर्वोच्च न्यायालय ही करता है।

30. दिये गए भारत के मानचित्र में निम्नलिखित को अंकित कीजिए। $(1 \times 5 = 5)$

1. खेतड़ी
2. दिल्ली
3. जमशेदपुर
4. पारादीप
5. हीराकुण्ड परियोजना।

www.rbse.online

www.rbse.online

उत्तर :

सभी गुरूजनों से निवेदन है कि RBSE के सॉल्वड मॉडल पेपर प्राप्त करने के लिए 9460377092 पर सिर्फ TEACHER शब्द SMS (व्हाट्सएप्प ना करें) आपसे संपर्क कर आपको विशेष रूप से मॉडल पेपर भेजे जाएंगे।